# आय सृजन गतिविधि
# व्यवसाय योजना
# बकरी पालन

| | | |
|---|---|---|
| स्वयं सहायता समूह का नाम | : | राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह |
| ग्रामीण वन विकास समिति का नाम | : | ठारु |
| फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम | : | धर्मशाला |
| डीएमयू/वन मंडल का नाम | : | धर्मशाला |
| एफसीसीयू / सर्कल | : | धर्मशाला |

| | |
|---|---|
| हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित | द्वारा तैयार:- <br> डीएमयू धर्मशाला, एफटीयू धर्मशाला और राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह |

# विषयसूची


| विवरण | पृष्ठ |
|---|---|
| परिचय | 3-4 |
| कार्यकारी सारांश | 4 |
| स्वयं सहायता समुह का विवरण | 4-6 |
| गांव का भौगोलिक विवरण | 6 |
| आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण। | 7 |
| उत्पादन प्रक्रियाएं। | 7 |
| उत्पादन योजना का विवरण | 8 |
| विपणन / बिक्री का विवरण | 8-9 |
| सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण | 9 |
| स्वोट अनालिसिस | 9 |
| संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय। | 9-10 |
| परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण | 10 |
| आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक) | 10 |
| वित् आवश्यकता | 11 |
| ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना | 12 |
| निगरानी विधि | 12 |
| परियोजना की कुल लागत | 12 |
| अनुलग्नक | 13-14 |

## परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, कांगड़ा जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और जिलों को जोड़ते है ये जिले कांगड़ा जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।जिसमे पोंग बाँध का निर्माण किया गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

ठारु वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " राधा कृष्ण स्वयं सहायता समूह, बकरी पालन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने बकरी पालन करने का फैसला किया। दल जिसमें बबीता, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल धर्मशाला, मुनीश फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर धर्मशाला वन परिक्षेत्र, विनोद कुमार वन रक्षक, हि प्र व से के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

## कार्यकारी सारांश

## ठारु वन ग्रामीण विकास समिति:-

ठारु वन ग्रामीण विकास समिति, ठारु राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है । इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत ठारु में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा जिले के रैत ब्लॉक में स्थित है और 32°14'01.9" डिग्री उत्तर अक्षांश -76°18'28.2" डिग्री पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। ठारु ग्रामीण वन विकास समिति धर्मशाला वन मंडल प्रबंधन इकाई डीएमयू में धर्मशाला रेंज के धर्मशाला वन ब्लॉक के ठारु बीट के अंतर्गत आता है।

| | |
|---|---|
| परिवारों की संख्या | 103 |
| बीपीएल परिवार | 12 |
| कुल जनसंख्या | 336 |
| कुल मवेशी | 142 |

## स्वयं सहायता समुह का विवरण

राधा कृष्ण स्वयं सहायता समुह का गठन अक्टूबर 2025 में ठारु वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

राधा कृष्ण सहायता समुह पुरुष समूह (पंद्रह पुरुष) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 15 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-.

The detail description of the members of the group is given below:-

| Sr.No. | Name | Father's Name | Designation | Phone Number | Category | Signature |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ramesh Chand | Sukhia Ram | Pardhan | 83520-39190 | SC | Rameshchand |
| 2. | Desh Raj | Sukhu Ram | MEMBER | 88945-72294 | SC | Desh Raj |
| 3. | Om Parkash | Rattan Chand | " | 88949-16171 | ST | Om |
| 4. | Mahinder Singh | Roomi Ram | " | | SC | |
| 5. | Rajinder Singh | Mahalo Ram | Secretary | 9625929547 | " | |
| 6. | Kamla Devi | Roshan Lal | MEMBER | 7580066057 | Gen | कमला देवी |
| 7. | ~~Neelama Devi~~ Santosh Singh | ~~Santosh Singh~~ Onkar Singh | " | | Gen | |
| 8. | Kunti Devi | Mool Raj | " | 8988161081 | SC | कुन्ती देवी |
| 9. | Bablesh Kumar | Pritam Singh | " | 78078 09027 | Gen | [illegible] |
| 10. | Uttam Chand | Saina Ram | " | | ST | |
| 11. | Kastur Chand | Saina Ram | " | 8580563066 | ST | कस्तूर चंद |
| 12. | Ashmaan | Nodhu Singh | " | 7580047290 | Gen | [illegible] |
| 13. | Onkar | Dharam Singh | " | 9816443048 | Gen | [illegible] |
| 14. | Anita Devi | Suman Kumar | कोषाध्यक्ष | 8894022281 | SC | अनिता देवी |
| 15. | ~~Keshari Devi~~ | ~~Pyar Singh~~ | ~~MEMBER~~ | 9625104765 | Gen | Kesari Devi |
| 15 | Pyar Singh | S/o Bhalo Ram | | | | |

**राधा कृष्ण  स्वयं सहायता समूह**

| | | |
|---|---|---|
| स्वयं सहायता समूह का नाम | :: | राधा कृष्ण |
| एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या | :: | - |
| ग्रामीण वन विकास समिति का नाम | :: | ठारु |
| फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम | : | धर्मशाला |
| डीएमयू/वन मंडल का नाम | :: | धर्मशाला |
| गांव | :: | ठारु |
| खंड | :: | ठारु |
| ज़िला | :: | काँगड़ा |
| स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या | :: | 15 |
| गठन की तिथि | :: | अक्टूबर 2025 |
| बैंक का नाम और विवरण | :: | Himachal Pradesh Gramin Bank |
| बैंक खाता संख्या | :: | 87751300001927 |
| एसएचजी/मासिक बचत | :: | - |
| कुल बचत | :: | - |
| कुल अंतर-ऋण | :: | हां |
| नकद ऋण सीमा | :: | - |
| चुकौती स्थिति | | तिमाही आधार |

**गांव का भौगोलिक विवरण**

| | | |
|---|---|---|
| जिला मुख्यालय से दूरी | : | 32 किमी |
| मुख्य मार्ग से दूरी | :<br>: | 02 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 50 से 100 मीटर तक) लगभग |
| स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी | : | धर्मशाला 13 किमी लगभग । |
| प्रमुख शहरों के नाम और दूरी | :<br>: | धर्मशाला 13 किमी, चडी 3 किमी लगभग । |
| प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा | :<br>: | धर्मशाला,  चडी |
| पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति | :<br>: | पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिमकड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि। |

## आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| उत्पाद का नाम | :: | बकरी पालन |
| उत्पाद पहचान की विधि | :: | यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा कृषि से अपनी कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए बकरी पालन का व्यवसाय चुना जिससे समूह की आय के साथ साथ दूध की आवश्यकता भी पूरी होगी<br>बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा । |
| एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति<br>समूह | :: | सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है। |

## उत्पादन प्रक्रियाएं

स्थानीय पशु पालन विभाग तथा स्थानीय लोगों की बकरी पालना के बारे में जाईका परियोजना द्वारा जानकारी साँझा की जाएगी जिससे लोगों में भीठल नस्ल को पालने के बारे में जागरूकता होगी। जो स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाएगी है।

समूह को शुरू में कुल 30 बकरियां और बकरे दिए जाएंगे, जिनकी आयु आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम हो । यह बकरे इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। पूरे समूह का पशुधन समूह की सम्पत्ति होगी तथा बिक्री के पश्चात् धन समूह के सदस्यों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्तुत किये गये पशुधन के अनुसार वितरित होगा । पशुधन की अकस्मात् या दुर्घटना की स्थिति में मृत पशु का समूह के निर्णय द्वारा निपटान किया जायेगा । समय समय पर समूह द्वारा बेचने योग्य पशुधन सम्बंधित सदस्य की सहमती से स्वयं व समूह द्वारा एकल एवं संयुक्त रूप में बेचा जायेगा ।इसी तरह समूह में बकरी दूध का निपटान भी समूह द्वारा मूल्यवर्धन करके (जैसे कि पैकेजिंग इत्यादि) किया जायेगा ।

**उत्पादन योजना का विवरण:**

| | | |
|---|---|---|
| उत्पादन चक्र (6 मास) | :: | काँगड़ा जिले में बकरी पालन पुरे वर्ष की जाती है। समूह को शुरू में कुल 30 बकरियां और बकरे दिए जाएंगे, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम<br>अगले 6 मास के बाद पशुधन में वृद्धि प्रजनन द्वारा होगी जिसमे की भीठल नस्ल की बकरियां आमतोर पर एक से दो बच्चे देती है । जिससे उस समूह में बकरियों की संख्या दो से अढ़ाई गुना बढ़ेगी। जिन्हें अगले तीन महीने में समूह द्वारा निपटान कियाजाएगा ताकि अगली बकरियों की पैदावार सुनिश्चित की जाए । |
| जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या) | :: | प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और पशुधन लाने एवं उनका रखरखाव आदि के लिए काम करेंगे।<br>अगले 180-365 दिनों के लिए सभी व्यक्ति 1-2 घंटे घास कटाई, चराई एवं सफाई के लिए काम करेंगे ।<br>विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा । |
| कच्चे माल का स्रोत | :: | स्थानीय पशु पालन विभाग एवं अन्य बाह्य संस्थान |
| अन्य का स्रोत साधन। | :: | -उपरोक्त- |

**विपणन / बिक्री का विवरण**

| | | |
|---|---|---|
| संभावित बाजार स्थान | :: | धर्मशाला 13 किमी, चडी 3 किमी लगभग । |
| इकाई से दूरी | :: | धर्मशाला 13 किमी, चडी 3 किमी लगभग । |
| बाजार में उत्पाद की मांग | | बकरी मास की मांग साल भर रहती है। |
| बाजार की पहचान की प्रक्रिया | :: | उपरोक्त सभी कस्बे में मांस बेचने का बाजार सुस्थापित है । |
| बाजार पर मौसम का प्रभाव। | :: | मास पूरे वर्ष उच्च मांग में रहता हैं। हालांकि, सर्दियों के दौरान इसकी मांग अधिक बढ़ जाती है। |

| | | |
|---|---|---|
| उत्पाद के संभावित खरीदार। | :: | संभावित बाजार, बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है । |
| क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता। | :: | सभी नागरिक / परिवार। |
| उत्पाद का विपणन तंत्र। | :: | बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा । |
| उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति। | :: | |
| उत्पाद नारा | :: | भीठल बकरी |

## सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

## SWOT विश्लेषण

| विवरण / आइटम | : | विवरण |
|---|---|---|
| ताकत | :: | समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, और पहले से हि बकरी पालन करते है<br>एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा। |
| दुर्बलता | :: | नया स्वयं सहायता समूह |
| मौका | :: | डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा। |
| खतरा | :: | समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी |

## संभावित खतरों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

| संभावित जोखिम | : | उपाय करने के लिए कम करने के लिए उन्हें। |
|---|---|---|
| 1. एक ही समय मे हानिकारक संक्रमण पुरे बकरी समूह को नस्ट कर सकता है<br><br>2. बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण | :<br>: | सबसे पहले बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण और उसकी साफ़ सफाई का ध्यान रखें ।<br><br>पशु रखने से पहले फॉर्मेलिन/फिनायल के घोल से कमरे में स्प्रे करें |

| | | |
|---|---|---|
| एवं रखरखाव | | कमरे में प्रवेश कर रहा है।<br>फिनायल का नियमित स्प्रे करें। पेट के कीड़ों की दवाई नियमित पिलायें |
| समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता | :<br>: | कलह को मिटाने के लिए कारण को प्रारंभिक चरण में निपटाया जायेगा।<br>समूह के सभी सदस्यों के लिए समान अनावरण, समान लाभ का बंटवारा, हर सदस्य को आदर और सम्मान देने की आवश्यकता। |
| बाज़ार | | बाजार हमेशा उपलब्ध है |
| उत्पादन | : | बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा |

**परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण ।**

| **परियोजना की लागत** | **संख्या** | **मूल्य** | **राशि रु में** |
|---|---|---|---|
| **पूंजी लागत** | | | |
| 7-8 महीने आयुवर्ग का बकरा भीठल | 12 | 12000 | 144000 |
| 6-8 माह आयुवर्ग, वजन लगभग 10-12 किलोग्राम की बकरियां | 12 | 12000 | 144000 |
| **ए कुल पूंजी लागत** | | | **288000** |
| **आवर्ती लागत** | | | |
| संतुलित राशन, गेहूं का भूसा, हरा चारा एवं अन्य व्यय 22.5 क्विंटल X31 @ रुपये। 550/- प्रति क्विंटल/पशु | 15.5 क्विंटल X30 | 150 | 69750 |
| **बी कुल आवर्ती लागत** | | | **69750** |
| **कुल परियोजना लागत (ए+बी)=288000+69750=357750** | | | **357750** |

**आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):**

| **विवरण** | मात्रा | **राशि (रु.)** |
|---|---|---|
| कुल आवर्ती लागत | | 69750 |
| पशु वृद्धि | 18 | 250000 |
| पशु वृद्धि का विक्रय मूल्य | 1 | 15000 |
| आय सृजन (18x15000) | | 270000 |
| शुद्ध लाभ का वितरण | | • लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।<br>• IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा |

**वित् आवश्यकता:**

| **विवरण** | **कुल राशि (रु.)** | **परियोजना योगदान** | **एसएचजी योगदान** |
|---|---|---|---|
| कुल पूंजी लागत | **288000** | 144000 | 144000 |
| कुल आवर्ती लागत | 69750 | 0 | 69750 |
| प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन | 50000 | 50000 | 0 |
| **कुल** | **407750** | **194000** | **213750** |

**ध्यान दें-**

- **पूंजीगत लागत -** पूंजीगत लागत का 50% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा शेष 50% स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

**वित् के स्रोत:**

| | | |
|---|---|---|
| परियोजना का समर्थन | • पूंजीगत लागत का 50% मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा<br>• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।<br>• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। | संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकर |
| स्वयं सहायता समुह योगदान | • पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों | |

| | | |
|---|---|---|
| | • स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत | |

**प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन**

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

इस प्रक्रिया में पहली बार नए पैदा हुए बच्चे बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा।

**निगरानी विधि -**

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

**परियोजना की कुल लागत है**

पूंजीगत लागत = 288000/-

आवर्ती लागत = 69750/-

**बकरी पालन के लिए कुल =357750/-**

| **क्रम संख्या** | **व्यवसाय योजना** | **पूंजीगत लागत** | **आवर्ती लागत** | **परियोजना का हिस्सा** | **लाभार्थी अंशदान** |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | **बकरी पालन** | **288000** | 69750 | 144000 | 144000 |
| | **कुल** | **288000** | 69750 | 144000 | 144000 |

## GROUP CONSENT LETTER

The Meeting of ~~Radha~~ Krishna Self Help Group was held under the Chairmanship of the Pradhan Rajender on dated 09/01/23 in which the member of group collectively decided to do the work of Goat farming to increase the income with the association, project for improvement of Himachal Pradesh Forest ecosystem Management and livelihoods (JICA).

The detail description of the members of the group is given below:-

| Sr.No. | Name | Father's Name | Designation | Phone Number | Category | Signature |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Ramesh Chand | Sukhia Ram | Pardhan | 83520-39190 | SC | Rameshchand |
| 2. | Desh Raj | Sukhu Ram | MEMBER | 88945-72294 | SC | [illegible] |
| 3. | Om Parkash | Rattan Chand | " | 88949-16171 | ST | Om |
| 4. | Mahinder Singh | Ramu Ram | " | | SC | |
| 5. | Rajinder Singh | Mahalu Ram | Secretary | 9625929547 | " | |
| 6. | Kamla Devi | Roshan Lal | MEMBER | 758[illegible] | Gen | कमला देवी |
| 7. | ~~Neelam Devi~~ Santosh Singh | ~~Santosh Singh~~ Onkar Singh | " | | Gen | |
| 8. | Kunti Devi | Mool Raj | " | 8988161031 | SC | कुन्ती देवी |
| 9. | Bablesh Kumar | Pritam Singh | " | 78078 09027 | Gen | [illegible] |
| 10. | Uttam Chand | Saina Ram | " | | ST | |
| 11. | Kartar Chand | Saina Ram | " | 8580563066 | ST | [illegible] |
| 12. | Ashman | Nodhu Singh | " | 7580047290 | Gen | [illegible] |
| 13. | Onkar | Dharam Singh | " | 9816443048 | Gen | [illegible] |
| 14. | Anita Devi | Suman Kumar | कोषाध्यक्ष | 8894011281 | SC | अनिता देवी |
| 15. | ~~Keshari Devi~~ | ~~Pyar Singh~~ | ~~MEMBER~~ | 9625104765 | Gen | Kesari Devi |
| 15 | Pyar Singh | S/o Bhalo Ram | | | | |

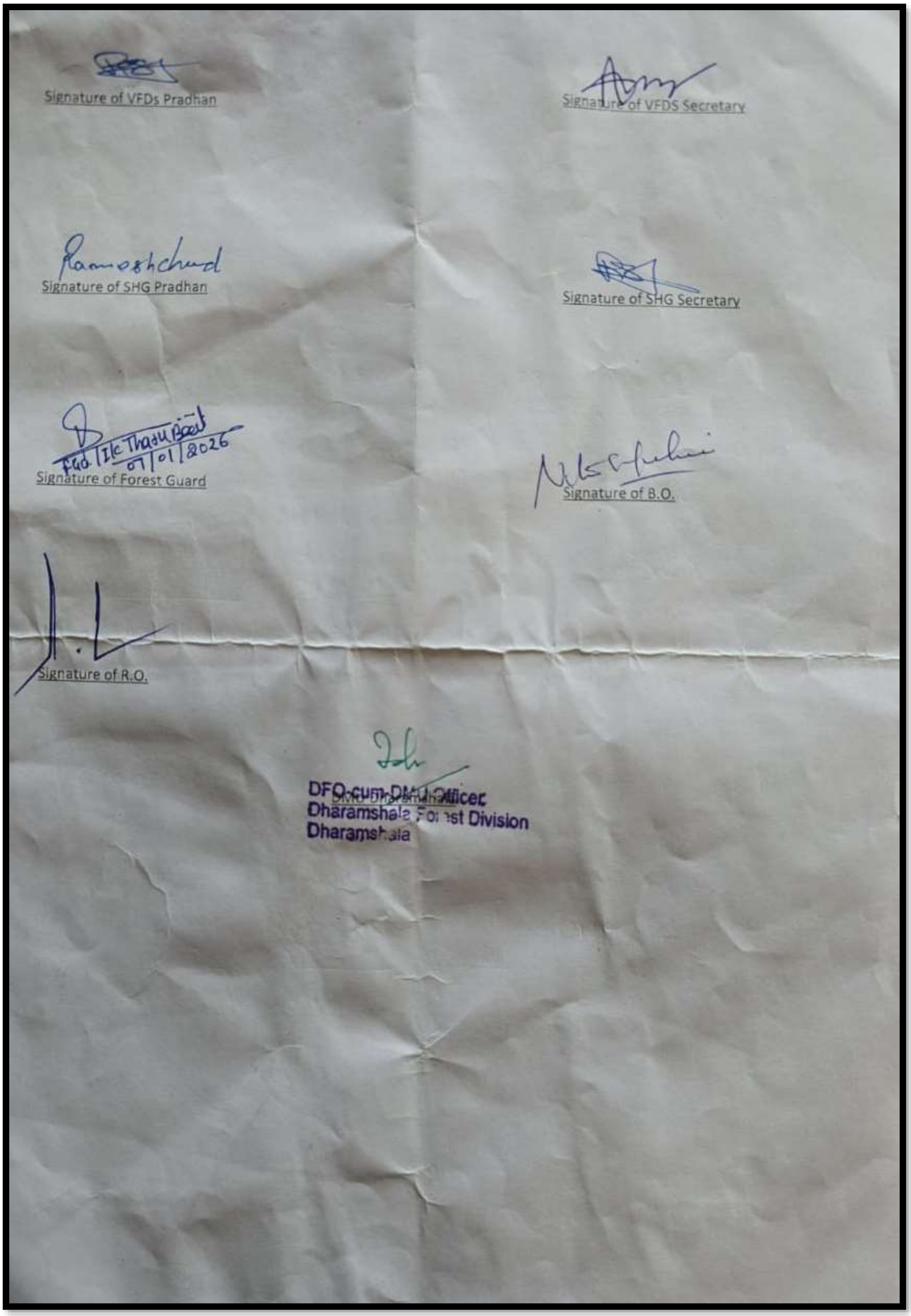
Signature of VFDs Pradhan

Signature of VFDS Secretary

Signature of SHG Pradhan

Signature of SHG Secretary

Signature of Forest Guard

Signature of B.O.

Signature of R.O.

DFO-cum-DMU Officer
Dharamshala Forest Division
Dharamshala